BPSE 142

परिवर्तनशील विश्व में भारत की विदेश नीति

परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

आसान भाषा में समझें

1. 1947 से अब तक भारत की विदेश नीति के विभिन्न चरणों का अवलोकन करें।

उत्तर:

भारत की विदेश नीति में समय-समय पर बदलाव आए हैं, और इसे विभिन्न चरणों में बांटा जा सकता है:

- **1947-1960: स्वतंत्रता के बाद प्रारंभिक वर्ष:**
  स्वतंत्रता के बाद, भारत ने गुटनिरपेक्षता (Non-Alignment) की नीति अपनाई, यानी न तो पश्चिमी देशों के नेतृत्व वाले गुट (NATO) और न ही सोवियत गुट का हिस्सा बनने का निर्णय लिया। यह नीति भारत के स्वतंत्रता संग्राम की भावना और राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा के लिए थी। इसके साथ ही भारत ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।
- **1960-1990: शीत युद्ध और गुटनिरपेक्षता:**
  इस दौर में भारत ने गुटनिरपेक्षता को बनाए रखते हुए सोवियत संघ से समर्थन लिया, विशेष रूप से सैन्य और आर्थिक मामलों में। 1962 में चीन के साथ सीमा विवाद (भारत-चीन युद्ध) और 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध ने भारत की विदेश नीति को सुरक्षा पर केंद्रित किया। इसके बाद भारत ने अपनी सुरक्षा नीति को मजबूत किया और अन्य देशों के साथ आर्थिक संबंधों को बढ़ाया।
- **1990-2000: वैश्वीकरण और आर्थिक सुधार:**
  1991 में भारत ने आर्थिक सुधारों की शुरुआत की, जिससे विदेश नीति में भी बदलाव आया। भारत ने अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को बढ़ाया और सोवियत संघ के बाद के रूस से भी नए संबंध स्थापित किए। परमाणु परीक्षण (1998) के बाद भारत को वैश्विक मंच पर अलग पहचान मिली।
- **2000 से वर्तमान: एक उभरती शक्ति के रूप में भारत:**
  अब भारत वैश्विक राजनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी बन चुका है। भारत ने चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा विवादों को सुलझाने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए, साथ ही जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा दिया है। अब भारत अपने आप को एक उभरती शक्ति के रूप में देखता है, जो वैश्विक और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है।

2. भारत की विदेश नीति को आकार देने वाले प्रमुख कारकों की व्याख्या करें।

Scholarly Minds

उत्तर:

भारत की विदेश नीति को आकार देने में कई आंतरिक और बाहरी कारक प्रभाव डालते हैं:

- **भौगोलिक स्थिति:**
  भारत की भौगोलिक स्थिति उसे पाकिस्तान, चीन, नेपाल, बांगलादेश, श्रीलंका और म्यांमार जैसे देशों से घेरती है। इससे भारत को सुरक्षा के दृष्टिकोण से विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। भारत का हिंद महासागर में स्थान भी उसकी समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक रणनीतियों को प्रभावित करता है।
- **आंतरिक राजनीति और समाज:**
  भारत की लोकतांत्रिक और विविध सामाजिक संरचना उसकी विदेश नीति पर असर डालती है। भारत का आंतरिक समाज, जिसमें विभिन्न धर्म, जाति, भाषा और संस्कृति हैं, अंतरराष्ट्रीय मंच पर कूटनीति के लिए भारत की नीति को प्रभावित करता है।
- **आर्थिक ताकत:**
  भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था वैश्विक मामलों में उसकी भूमिका को मजबूत करती है। भारत की विदेश नीति में व्यापार, निवेश और आर्थिक साझेदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, और यह उसे वैश्विक मंच पर एक मजबूत शक्ति बना देती है।
- **रक्षा और सुरक्षा:**
  सीमा विवाद, आतंकवाद, और क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दे भारत की विदेश नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारत का मुख्य ध्यान अपनी रक्षा को मजबूत करने और आतंकवाद से लड़ने पर है, खासकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान से उत्पन्न होने वाले खतरों के संदर्भ में।
- **संस्कृति और ऐतिहासिक संबंध:**
  भारत की सांस्कृतिक कूटनीति भी एक अहम भूमिका निभाती है। भारतीय संस्कृति, योग, आयुर्वेद और फिल्म उद्योग (बॉलीवुड) ने वैश्विक स्तर पर भारत के प्रभाव को बढ़ाया है। साथ ही भारत के ऐतिहासिक संबंध भी उसके विदेश नीति को प्रभावित करते हैं।

3. भारत-चीन संबंधों का विवरण करें।

उत्तर:

भारत और चीन के संबंध जटिल और मिश्रित रहे हैं। ये दोनों देशों के बीच व्यापार, सीमा विवाद और सुरक्षा मामलों में तनाव भी होता है।

- **इतिहास:**
  दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से अच्छे संबंध रहे हैं, खासकर बौद्ध धर्म के प्रसार के समय। हालांकि, 1962 में भारत-चीन युद्ध ने इन रिश्तों में गंभीर तनाव पैदा किया।
- **आर्थिक सहयोग:**
  1990 के दशक में दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों में सुधार हुआ। आज चीन भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझीदार है, और दोनों देशों के बीच व्यापार का आंकड़ा सौ अरब डॉलर तक पहुँच चुका है।
- **सीमा विवाद:**
  दोनों देशों के बीच अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन को लेकर विवाद हैं। हालांकि, दोनों देशों ने कई बार सीमा विवादों को हल करने के लिए कूटनीतिक वार्ता की है। फिर भी, 2020 में गलवान घाटी संघर्ष जैसे विवादों ने रिश्तों में तनाव उत्पन्न किया।

Scholar Minds

- **सुरक्षा चिंताएँ:**
  चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति और पाकिस्तान के साथ उसकी गहरी दोस्ती भारत के लिए चिंता का कारण है। भारत और चीन दोनों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, लेकिन दोनों देशों ने संवाद बनाए रखने की कोशिश की है।

4. भारत की उभरती पर्यावरणीय चिंताओं की व्याख्या करें।

उत्तर:

भारत में पर्यावरणीय मुद्दे बढ़ते जा रहे हैं, और देश ने इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है:

- **जलवायु परिवर्तन:**
  भारत जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है, जिससे मौसम के पैटर्न में बदलाव, बाढ़, सूखा और कृषि संकट जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं। भारत ने पेरिस जलवायु समझौते में भाग लिया और 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने का संकल्प लिया है। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर और पवन ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए हैं।
- **प्रदूषण:**
  वायु, जल और मृदा प्रदूषण भारत के प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दे हैं। बढ़ते शहरीकरण और उद्योगों के कारण वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर तक पहुँच चुका है। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कदम उठाए हैं।
- **जल संकट:**
  भारत में जल की भारी कमी हो रही है, खासकर उत्तर भारत में। पानी की कमी, जलाशयों की गिरती क्षमता, और बढ़ते जलवायु संकट ने जल संकट को और बढ़ा दिया है। सरकार जल संरक्षण और सिंचाई की योजनाओं पर ध्यान दे रही है।
- **सतत विकास:**
  भारत सतत विकास की दिशा में भी काम कर रहा है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन पर नीति और टिकाऊ कृषि की दिशा में कदम उठाए गए हैं।

5. "पड़ोसी प्रथम नीति" के महत्व पर प्रकाश डालें।

उत्तर:

भारत की "**पड़ोसी प्रथम नीति**" का उद्देश्य अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखना है। यह नीति भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय शांति और विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

- **क्षेत्रीय शांति:**
  भारत ने अपने पड़ोसी देशों के साथ शांतिपूर्ण संबंध स्थापित करने और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उदाहरण स्वरूप, भारत ने बांगलादेश, श्रीलंका और नेपाल के साथ अच्छे कूटनीतिक रिश्ते बनाए हैं।
- **आतंकवाद से निपटना:**
  पाकिस्तान से आतंकवाद भारत के लिए एक बड़ा सुरक्षा संकट है। भारत की "पड़ोसी प्रथम नीति" में आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया है। भारत ने इस नीति के तहत, क्षेत्रीय देशों से आतंकवाद पर मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

Scholarly Minds

- **आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग:**
  इस नीति के अंतर्गत भारत ने दक्षिण एशिया में अपने पड़ोसी देशों के साथ व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा दिया है। इससे न केवल क्षेत्रीय विकास हुआ है, बल्कि भारत की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है।
- **राष्ट्रीय सुरक्षा:**
  पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध भारत की सुरक्षा नीति में मदद करते हैं। खासकर चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा विवादों के कारण, यह नीति सुरक्षा और कूटनीति को संतुलित करने का प्रयास करती है।

FOR PDF VISIT MY WEBSITE

hindustanknowledge.com

join my whatsapp channel for links

Scholarly Minds